Email : railsamacharbureau@rediffmail.com, www.railsamacharbureauald.com

रेल समाचार ब्यूरो

भारतीय रेल देश की जीवन रेखा है, इसका आधुनिकीकरण हमारी प्राथमिकता है

R.N.I.No. 51097/90 DN/XXX/20-23 Post AD No. 8

सम्पूर्ण रेल जगत का प्रथम पाक्षिक

हमें रेलवे की तस्वीर और बेहतर बनानी होगी

अपने शुभचिंतको को घर पर ही विदा करे, प्लेटफार्म पर नहीं

वर्ष-३० अंक-०५ प्रयागराज रेल समाचार ब्यूरो ०१ - १५ मार्च २०२२ पृष्ठ ०८ मूल्यः१० रु.मात्र (रंगीन सहित)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ०५ फरवरी, २०२२ को हैदराबाद में आईसीआरआईएसएटी की ५०वीं वर्षगांठ समारोह को संबोधित करते हुए।

किसानों को सशक्त बनाने के लिए भारत के प्रयास लगातार बढ़ रहे हैं-प्रधानमंत्री मोदी

पत्र.सू.का/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री, नरेन्द्र मोदी ने हैदराबाद के पाटनचेरु में इंटरनेशनल क्रॉप्स रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर सेमी-एरिड ट्रॉपिक्स (आईसी- आरआईएसएटी) परिसर का दौरा किया और आईसीआरआईएसएटी की ५०वीं वर्षगांठ समारोह की शुरुआत की। प्रधानमंत्री ने पादप संरक्षण पर आईसीआरआईएसएटी के जलवायु परिवर्तन अनुसंधान केंद्र और आईसीआरआईएसएटी के रैपिड जनरेशन एडवांसमेंट केंद्र का भी उद्घाटन किया।

ये दो सुविधाएं एशिया और उप-सहारा अफ्रीका के छोटे किसानों को समर्पित हैं। प्रधानमंत्री ने आईसीआरआईएसएटी के विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए लोगो का भी अनावरण किया और इस अवसर पर जारी एक स्मारक डाक टिकट का शुभारंभ किया। इस अवसर पर तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसा सुंदरराजन, केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और जी. किशन रेड्डी भी उपस्थित थे।

उन्होंने पानी एवं मिट्टी के प्रबंधन, फसल की विविधता में सुधार, खेत की विविधता और पशुधन के बीच समन्वय कायम करने में उसके योगदान की सराहना की।

५जी नेटवर्क विकास के अपने अंतिम चरण में-अश्विनी वैष्णव

पत्र.सू.का/ नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार क्षेत्र के हितधारकों को योग्य विदेशी खरीददारों से मिलने के अवसर प्रदान करने के लिए, केंद्रीय संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रोद्योगिकी तथा रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संचार राज्य मंत्री देवुसिंह चौहान, डीसीसी के अध्यक्ष तथा दूरसंचार विभाग के सचिव के. राजारमन आदि प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में विशेष अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एक्सपो - 'इंडिया टेलीकॉम २०२२' का उद्घाटन किया। यह कार्यक्रम दूरसंचार विभाग, विदेश मंत्रालय, विभिन्न देशों में स्थित भारतीय दूतावासों के सहयोग से भारत सरकार के वाणिज्य विभाग की मार्केट एक्सेस इनिशिएटिव स्कीम (एमएआई) के तहत दूरसंचार उपकरण और सेवा निर्यात संवर्धन परिषद द्वारा ८ फरवरी से १० फरवरी, २०२२ तक आयोजित किया जा रहा है। इस आयोजन में ४५ से अधिक देशों के योग्य खरीदार भाग ले रहे हैं। सम्मेलन के अलावा, ४० से अधिक भारतीय दूरसंचार कंपनियां प्रदर्शनी में अपने उत्पादों और क्षमताओं का प्रदर्शन कर रही हैं। अपने उद्घाटन भाषण में, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, "भारत एक प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण केंद्र के रूप में उभरा है। आज भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग ७५ अरब अमरीकी डॉलर के करीब है। यह २० प्रतिशत सीएजीआर से ऊंची दर से बढ़ रहा है। अब, हमने एक प्रमुख सेमीकंडक्टर प्रोग्राम शुरू किया है। यह एक बहुत व्यापक कार्यक्रम है, जिसमें सिलिक न चिप से लेकर कंपाउंड सेमीकंडक्टरों, डिजाइन आधारित निर्माण, डिजाइन में उद्यमियों की एक श्रृंखला तैयार करके अंततः ८५,००० सेमीकंडक्टर इंजीनियरों को तैयार किया जाना है। प्रौद्योगिकी के विकास के बारे में, अश्विनी वैष्णव ने कहा, "देश ने अपना स्वदेशी विकसित ४जी कोर और रेडियो नेटवर्क भी तैयार किया है। ५जी नेटवर्क भी विकास के अंतिम चरण में है। देश आज ६जी मानकों के विकास में, ६जी की विचार प्रक्रिया में भाग ले रहा है।

पेंटिग प्रदर्शनी "सृजन" का उद्घाटन

रे.स.ब्यूरो./प्रयागराज। इलाहाबाद संग्रहालय में लगाई गई पेंटिंग प्रदर्शनी "सृजन" का उद्घाटन रचना सिंह द्वारा दिनांक १५ फरवरी, २०२२ को प्रातः १०.३० बजे डा॰ अखिलेश कुमार सिंह, कुलपति, प्रोफ़ेसर राजेन्द्र सिंह (रज्जु भईया) विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं निदेशक इलाहाबाद संग्रहालय के कर कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन के महाप्रबंधक यशपाल सिंह तथा उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबन्धक प्रमोद कुमार सहित काफी संख्या में विशिष्ट लोग उपस्थित रहे। यह प्रदर्शनी इलाहाबाद संग्रहालय, प्रयागराज में दिनांक १५.०२.२०२२ से २०.०२. २०२२ तक प्रातः १०.३० बजे से साँय १६.३० बजे तक दर्शको के अवलोकनार्थ खुली रहेगी। "सृजन" पेंटिग प्रदर्शनी के अंतर्गत रेल विद्युतीकरण महिला कल्याण संगठन/प्रयागराज की अध्यक्षा रचना सिंह द्वारा प्रति व समाज से प्रेरणा लेते हुये आयल व एक्रेलिक आधारित चित्रों को प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी में लगी पेंटिंग भारतीय संस्कृति और पौराणिक कथाओं को चित्रित करती है। प्रदर्शनी में दर्शायी गयी पेंटिंग अनूठी तकनीक और भावना का उत्कृष्ट मिश्रण है। इस चित्रकला प्रदर्शनी में विभिन्न राज्यों की चित्रकला को दर्शाया गया है जिसमें मधुबनी (बिहार) ,लघु चित्रकला (राजस्थान), वोल (मध्य प्रदेश) तथा तंजोरे (दक्षिण भारत) की कला मुख्य रूप से है।

महाप्रबंधक ने की संरक्षा, समयपालनता संबंधी मुद्दों की समीक्षा

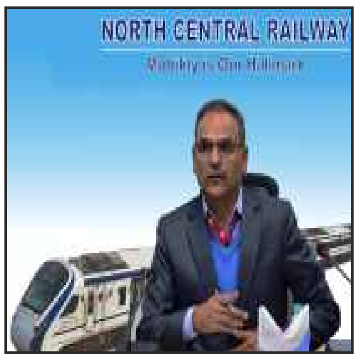

रे.स.ब्यूरो./प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक प्रमोद कुमार ने १५ फरवरी, २०२२ को, संरक्षा, समयपालनता, बजटीय आवंटन के उचित प्रयोग और व्यय नियंत्रण संबंधी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए समीक्षा बैठक की। इस बैठक में उत्तर मध्य रेलवे के प्रमुख विभागाध्यक्ष और प्रयागराज, झांसी और आगरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक और मुख्यालय और मंडलों के अन्य अधिकारी शामिल हुए। बैठक में संरक्षा संबंधी मुद्दों की समीक्षा करते हुए, महाप्रबंधक ने कहा कि ट्रेन संचालन में संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कर्मचारियों की नियमित काउंसलिंग और अपडेट किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना अधिकारियों का कर्तव्य है कि रेलवे बोर्ड और मुख्यालय से प्राप्त निर्देश फील्ड स्टाफ तक पहुंचे और उन्हें ठीक से समझा जाए। बैठक के दौरान रेल समपारों के स्थान पर निर्मित हो रहे रोड अंडर ब्रिजों और ओवर ब्रिज कार्यो, लेवल क्रासिंगो पर संरक्षा, रेल समपारों पर बूम तोड़ने की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण, एवं मालगाड़ियों के खुले गेटों के कारण ओएच और सिगनल मास्ट आदि के टूटने की घटनाओं के संबंध मे चर्चा हुई।

बैठक में महाप्रबंधक ने उत्तर मध्य रेलवे में मेल एक्सप्रेस ट्रेनों की वार्षिक समयपालनता को ८० से ऊपर बनाए रखने के लिए अधिकारियों को बधाई दी और इसको वित्त वर्ष के शेष समय में और बेहतर करने के लिए एसेट फेलियर की घटनाओं को नियंत्रित करने के लिए महाप्रबंधक ने मंडलों को निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त बैठक में रेल दावा अधिकरण में लंबित मामलो में समय पर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने, सांसदों और विधायकों से प्राप्त संदर्भो का त्वरित उत्तर प्रदान करने, मानव संसाधन प्रबंधन रेल कमयों की पदोन्नति संबंधी मुद्दों पर भी चर्चा की गई। इसी क्रम में महाप्रबंधक ने वर्तमान वित्त वर्ष के बचे हुए समय में आवंटित बजट के समुचित प्रयोग के लिए सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया और साथ ही उन्होंने अवांछित व्यय के नियंत्रण पर भी बल दिया।

चलती ट्रेन में महिला के लिए रेलवे ने बढ़ाये मदद के हाँथ

रे.स.ब्यूरो./प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज मण्डल रेल यात्रा प्रदान करने के लिए सदैव तत्पर है। रेलवे सुरक्षा बल हर परस्थिति में अपने रेल यात्रियों को सुरक्षा दे रहा है। दिनांक १४.०२.२०२२ रेलवे सुरक्षा बल कण्ट्रोल ऑफिस प्रयागराज से हेड कांस्टेबल कमलेश कुमार दुबे व कांस्टेबल अरण्य सिंह को सूचना प्राप्त हुई की गाड़ी संख्या ११०५५ के कोच नं-६ के सीट नंबर १५ पर यात्रा कर रही महिला को प्रसव पीड़ा हो रही है। उक्त सूचना मिलते ही गंभीरता को देखते हुए बिना देरी किये महिला तथा महिला के परिजनों को सामुदायिक स्वास्थ केंद्र मानिकपुर लेकर पहुचे तथा महिला को में भर्ती कराया।

उसके बाद कुछ ही देर में महिला ने एक लड़की को जन्म दिया और डॉक्टरों ने बताया की माँ और बेटी दोनों स्वस्थ है। परिवार के लोंगो ने रेलवे सुरक्षा बल तथा पुरे रेलवे स्टाफ को धन्यवाद दिया।

रवि प्रकाश बने प्रयागराज मण्डल के वरि. मण्डल वाणिज्य प्रबंधक- II

रे.स.ब्यूरो./प्रयागराज। रवि प्रकाश ने प्रयागराज मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/ द्वितीय का पद भार दिनांक १४.०२.२०२२ को ग्रहण किया। उत्तर प्रदेश के जिला कौशाम्बी में जन्मे रवि प्रकाश भारतीय रेलवे में 'यातायात सेवा' के अधिकारी हैं। रेलवे के प्रतिष्ठित सेवायोजन कोर्स 'वोकेशनल कोर्स इन रेलवे कामर्सियल (VCRC १९९३-९५) के माध्यम से इनका चयन हुआ था। बतादें कि रवि प्रकाश ने १९९९ में रेल सेवा प्रारंभ करते हुए भारतीय रेल के विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर अपना योगदान दिया है। रेल सेवा में प्रथम नियुक्ति जोधपुर (राजस्थान) में हुई। इन्होंने वर्ष २०११ से २०१५ तक सहायक वाणिज्य प्रबंधक झांसी, वर्ष २०१५ से २०२० (फरवरी) तक वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय एवं स्टेशन निदेशक, मथुरा ज. के पद पर अपनी सेवा प्रदान की है। पद भार ग्रहण करने के पश्चात रवि प्रकाश ने कर्मचारियों से परिचय प्राप्त करने के पश्चात अपने विचारों से सभी को अवगत कराया।

एन. श्रीकुमार बने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक

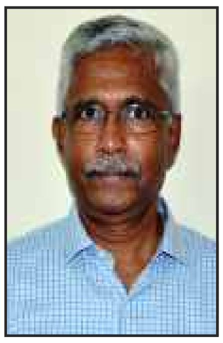

रे.स.ब्यू./सूत्र.बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक का पदभार एन. श्रीकुमार ने ग्रहण कर लिया। एन. श्रीकुमार भारतीय रेलवे यातायात सेवा (IRTS) के १९८९ बैच के वरिष्ठ अधिकारी है।

उन्होने दक्षिण रेलवे चेन्नई के मुख्य माल परिवहन प्रबंधक (CFTM), मुख्य परिवहन योजना प्रबंधक (CTPM) और कोंकोर के मुख्य महाप्रबंधक के रूप कार्य किया। उन्होंने अपना कैरियर १९९० में शुरू किया और विगत ३२ वर्षो से रेलवे के विभिन्न महत्वपूर्ण जैसे परिचालन, वाणिज्य, योजना और सतर्कता सहित अनेक पदों पर कार्य किया। उन्होंने रेल परिवहन से संबंधित उच्चस्तरीय एक वर्षिय प्रशिक्षण जर्मनी में प्राप्त की है।

उत्तर मध्य रेलवे ने जनवरी में किया १.७२ मिलियन टन माल लदान

रे.स.ब्यूरो./प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे ने वर्तमान वित्त वर्ष में प्रारंभिक लदान में वृद्धि की गति को बनाए रखते हुए,नए वर्ष २०२२ के जनवरी के अंत तक, पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि की तुलना में अपने प्रारंभिक माल लदान में ८.८% की वृद्धि दर्ज की। जनवरी २०२२ के दौरान, उत्तर मध्य रेलवे ने १.७२ मिलियन टन माल लदान लोड किया और रुपये १८१.३ करोड़ के राजस्व का अर्जन किया। ज्ञात हो कि, जनवरी २०२१ के दौरान, उत्तर मध्य रेलवे ने १.५८ मिलियन टन लदान करते हुए रुपए १७५.४८ करोड़ का मूल माल लदान राजस्व अर्जित किया था। उत्तर मध्य रेलवे ने इस साल अप्रैल से जनवरी की अवधि के दौरान कुल १५.४६ मिलियन टन लदान किया, जबकि पिछले वर्ष समान अवधि के दौरान १३.३६ मिलियन टन का लदान किया गया था। इस अवधि के दौरान इस आउटवर्ड लोडिंग से रु. १५९९.६२ करोड़ राजस्व अर्जित किया गया। राजस्व अर्जन की –दृष्टि से इसी अवधि में १२% की वृद्धि दर्ज की गई है। प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक बिप्लव कुमार ने उपरोक्त विवरण साझा करते हुए बताया कि, नए यातायात को आकर्षित करने में मुख्यालय और मंडलों की बिजनेस डेवलेपमेंट इकाइयों के प्रयासों की सराहना की। प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि जिन प्रमुख मदों में लोडिंग बेहतर हुई है, उनमें सीमेंट और पेट्रोलियम आदि शामिल हैं। इस उपलब्धि पर महाप्रबंधक प्रमोद कुमार ने बीडीयू सहित सभी अधिकारियों और उनकी टीम के सदस्यों को बधाई दी।

उत्तर मध्य रेलवे की डीएफसीसीआईएल के साथ समीक्षा बैठक

रे.स.ब्यूरो./प्रयागराज। महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे प्रमोद कुमार की अध्यक्षता में पूर्वी डीएफसी के निर्माण की प्रगति से जुड़े कार्यों की समीक्षा करने के लिए उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में डीएफसीसीआईएल के साथ समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

प्रबंध निदेशक डीएफसी आर के जैन ने अपनी टीम के साथ डीएफसी के दीन दयाल उपाध्याय -दादरी खंड की प्राथमिकताओं और प्रगति के बारे में चर्चा की।

प्रबंध निदेशक डीएफसी ने बताया कि रूमा-शुजातपुर खंड में सभी प्रमुख कार्य पूरे कर लिए गए हैं और इसे माह के अंत तक यातायात के लिए खोल दिया जाएगा।

उन्होंने आगे बताया कि कोविड की दूसरी लहर के कारण गति प्रभावित हुई थी लेकिन अब काम तेज हो गया है एवं अपने अंतिम चरण में है। दादरी-खुर्जा और चुनार-करछना अन्य खंड पर काम तेज गति से चल रहा है और इन खंडों को जुलाई के अंत तक यातायात के लिए खोलने का लक्ष्य है।

महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे ने निर्देश दिए कि जहां कहीं भी ड्राइंग की मंजूरी के संबंध में कागजी कार्रवाई की आवश्यकता है, उसमें तेजी लाई जाए। बैठक के दौरान आरओबी और आरयूबी के निर्माण की प्रगति पर भी चर्चा की गई।

बैठक में अपर महाप्रबंधक रंजन यादव, प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक बिप्लव कुमार, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/ निर्माण शरद मेहता, मंडल रेल प्रबंधक प्रयागराज मोहित चंद्रा, मुख्य ब्रिज इंजीनियर नरेंद्र सिंह सहित मुख्यालय और मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। डीएफसी की ओर से निदेशक एस नंदूरी, निदेशक (सिविल) अजय, सीपीएम प्रयागराज ओमप्रकाश बैठक में शामिल हुए।

महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य ने किया कोयला लदान बढ़ाने हेतु बैठक आयोजित

साभारः बिलासपूर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे पूरे भारतीय रेलवे में सर्वाधिक लदान करने वाला जोन है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा समय-समय पर अपने कार्य क्षेत्र में अवस्थित उद्योगो के प्रतिनिधियों जैसे सिमेन्ट, स्टील, कोयला एवं अन्य उद्योगों आदि के साथ बैठक आयोजित कर संवाद कायम करते रहती है, ताकि आपसी तालमेल बनाये रखते हुए अधिक से अधिक लदान को सुनिश्चित कर इस अंचल के उधोगों के साथ ही साथ देश के विभिन्न बिजली तापघरों को कोयले की आपूर्ति कर देश की औद्योगिक प्रगति को गति दी जा सके। इस कडी में देश में अवस्थित बिजली तापघरों व उद्योगों को कोयले की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने सहित अन्य मुद्दों पर दिनांक १० फरवरी २०२२ को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे एवं महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) के अधिकारियों के मध्य वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से ऑनलाइन बैठक का आयोजन कर विचार-विमर्श किया गया। जिसमें दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, मुख्यालय में आलोक कुमार,महाप्रबंधक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे सहित सभी विभागाध्यक्ष एवं महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) मुख्यालय संबलपुर में ओ.पी.सिंह, सीएमडी,महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) सहित अन्य अधिकारीगण ऑनलाइन उपस्थित थे।

इस बैठक में पावर प्रजेन्टेशन के माध्यम से कोयला लदान से जुडे मुददों को दिखाया गया। जिस पर महाप्रबंधक आलोक कुमार ने महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) से कोयले की पर्याप्त लदान से संबन्धित मुद्दो पर ओ.पी.सिह, सीएमडी,महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) से विस्तारपूर्वक चर्चा की। यहां यह बताना आवश्यक है देश के प्रमुख बिजलीघरों को कोयले की आपूर्ति दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के द्वारा की जाती हैं इस लिये यह जरुरी है कि यहां कोयले की लदान पर्याप्त मात्रा में हो। इस संबंध में ओ.पी.सिंह, सीएमडी,महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) ने कोयले की लदान में वृद्धि तथा कोयले की पर्याप्त लदान को बनाये रखनें हेतु महाप्रबंधक आलोक कुमार को आश्वस्त किये। इस बैठक में महाप्रबंधक आलोक कुमार ने उपस्थित सभी महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) के अधिकारियों को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की सर्वाधिक लदान में उनके सहयोग के लिए धन्यवाद देते हुए रेलवे से संबंधित उनकी किसी भी समस्याओं के यथोचित निदान तुरंत करते हुए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

साथ ही साथ इस जोन में अधोसंरचना के विकास के पश्चात कोयले की लदान से संबंधित सभी समस्याओं के निदान जल्द पूरी होने की बात कही। इस अवसर पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सभी विभागाध्यक्ष एवं अन्य अधिकारियों सहित महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) के भी अधिकारीगण ऑनलाइन उपस्थित थे।

सर्वश्रेष्ठ रेलकर्मी संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित

रे.स.ब्यूरो./प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबन्धक प्रमोद कुमार, प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी, अरूण कुमार एवं उत्तर मध्य रेलवे के विभागाध्यक्षों की उपस्थिति में दिनांक ०८.०२.२०२२ को महाप्रबन्धक, संरक्षा के प्रति किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए झांसी, आगरा एवं प्रयागराज मण्डलों से चयनित ०५ रेल कर्मचारियों को महाप्रबन्धक के द्वारा संरक्षा पुरस्कार प्रदान किए गए।

बृजेन्द्र सिंह, को जनवरी माह के सर्वश्रेष्ठ रेलकर्मी के संरक्षा पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया है। बृजेन्द्र सिंह ने दिनांक २७. ०१.२०२२ को भीमसेन स्टेशन पर यातायात समपार फाटक-२३६ पर कार्य के दौरान पास होती हुयी मालगाड़ी में असामान्य स्थिति को देखा। इस प्रकार इन्होंने रेलवे की संरक्षा के साथ अपनी ड्यूटी के प्रति सराहनीय कार्य किया गया है।

रेलवे सुरक्षा बल के जांबाज़ों को जीवन रक्षा पदकों से किया जाएगा सम्मानित

पत्र.सू.का/ नई दिल्ली। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) "मिशन जीवन रक्षा" के अंतर्गत एक मिशन की तरह लोगों के जीवन की रक्षा करता आया है। इस मिशन के अंतर्गत पिछले ४ वर्षों में आरपीएफ के जांबाज़ों ने रेलवे स्टेशनों पर १६५० लोगों के जीवन को चलती रेलगाड़ियों के पहियों से रौंदे जाने से बचाया है। वर्ष २०२१ के दौरान आरपीएफ कर्मियों ने ऐन उस मौके पर ६०१ लोगों की जिंदगी बचाई, जब वे चलती रेलगाड़ी के पहियों के नीचे आने ही वाले थे।

आरपीएफ कर्मियों की बहादुरी के इन कार्यों के लिए वर्ष २०१८ से हर साल महामहिम राष्ट्रपति उन्हें जीवन रक्षा पदक से सम्मानित करते आ रहे हैं। अतीत में, वर्ष २०१८, २०१६ और २०२० में आरपीएफ के क्रमशः ०१, ०३ और ०५ कर्मियों इन पदकों से सम्मानित किया जा चुका है। राष्ट्रपति ने भारतीय रेलवे के आरपीएफ के सात (०७) जांबाज़ कर्मियों को वर्ष २०२१ श्रृंखला के जीवन रक्षा पदकों से सम्मानित करने को मंजूरी दी है। आरपीएफ के निम्नलिखित कर्मियों को विभिन्न श्रेणियों में जीवन रक्षा पदकों से सम्मानित किया गया हैः सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक(एसजेआरपी): सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक नागरिकों के अलावा सशस्त्र बलों,पुलिस अथवा अग्निशमन सेवा के ऐसे जांबाज़ों की वीरता को सम्मानित करने के लिए प्रदान किया जाता है,जो अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए अपने जीवन को संकट में डालकर अन्य लोगों की बहुमूल्य जिंदगियों की रक्षा करते हैं।

इस सम्मान के अंतर्गत पदक, प्रमाण पत्र और २ लाख रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया जाता है। वर्ष २०२१ में आरपीएफ के निम्नलिखित कर्मियों को सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक से सम्मानित किया गया हैः ज्ञान चंद (मरणोपरांत) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्रः स्वर्गीय ज्ञान चंद, हेड कांस्टेबल आरपीएफ, उत्तर मध्य रेलवे, २ मई २०२१ को भरवारी स्टेशन पर रात लगभग ११:४१ बजे रोजनामचा राइटर के रूप में अपने दायित्व का निर्वहन कर रहे थे।

तभी उन्होंने एक महिला को आत्महत्या करने के इरादे से सामने से आती प्रयागराज-जाजपुर एक्सप्रेस की ओर मुंह करके पटरी पर खड़े देखा।

ज्ञान चंद ने उस महिला को चौकन्ना किया, लेकिन वह पटरी से नहीं हटी। यह देख कर ज्ञान चंद ने उस महिला की ओर छलांग लगाई और पलक झपकते ही उस महिला को उसकी सुरक्षा के लिए परे धकेल दिया।

लेकिन वह खुद को नहीं बचा सके और सामने से आती ट्रेन से टकरा गए और कर्तव्य का निर्वहन करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी।

अनिल कुमार सीआरः ३ दिसंबर २०१६ को रात लगभग १०:२६ बजे अनिल कुमार, कांस्टेबल, रेलवे सुरक्षा बल, मुंबई मंडल/मध्य रेलवे ठाणे स्टेशन पर यात्रियों के सामान जो चोरी होने से बचाने और उसका पता लगाने के लिए तैनात थे। तभी उनकी नजर एक व्यक्ति पर पड़ी, जो पटरी से प्लेटफार्म नंबर-७ पर चढ़ने की कोशिश कर रहा था, जबकि सामने से आती ट्रेन नंबर १८०२६ उसके बहुत करीब पहुंच चुकी थी। अनिल कुमार उस समय प्लेनटफ,र्म नंबर-६ पर थे। उस व्यक्ति के जीवन को खतरे में देख उन्होंने अपने जीवन की परवाह न करते हुए पटरी पर छलांग लगा दी और क्षण भर ही उस व्यक्ति को खतरे से बाहर निकाल दिया।

सही समय पर और साहसपूर्ण कार्रवाई के कारण वह एक व्यक्ति के मूल्यवान जीवन को बचाने में सक्षम हो सके। उत्तम जीवन रक्षा पदक (यूजेआरपी) :नागरिकों के अलावा सशस्त्र बलों,पुलिस अथवा अग्निशमन सेवा के ऐसे जांबाज़ों की वीरता को सम्मानित करने के लिए प्रदान किया जाता है, जो अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए अपने जीवन को संकट में डालकर अन्य लोगों की बहुमूल्य जिंदगियों की रक्षा करते हैं। इस सम्मान के अंतर्गत पदक, प्रमाण पत्र और १.५ लाख रुपये (डेढ़ लाख रुपये) का नकद पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

वर्ष २०२१ में आरपीएफ के निम्नलिखित कर्मियों को उत्तम जीवन रक्षा पदक से सम्मानित किया गया हैः दिनकर तिवारी,आरः कोलकाता के १४ स्ट्रैंड रोड स्थित न्यू कोइलाघाट बिल्डिंग की १३वीं मंजिल में ०८. ०३.२०२१ को भीषण आग भड़क उठी, जिसमें कई लोग आग और धुएं के कारण फंस गए।

यह देख कांस्टेबल दिनकर तिवारी ने अपनी जान और सुरक्षा की परवाह न करते हुए अदम्य साहस का परिचय देते हुए न केवल आग बुझाने में मदद की बल्कि इमारत में फंसे तीन लोगों की भी रक्षा की।

भारतीय रेलवे आरपीएफ के सभी पदक विजेताओं और उनके परिवारों को बधाई देता है।

हेड कॉन्स्टेबल ज्ञानचंद को मरणोपरांत मिला सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक

साभारः उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल के भरवारी रेलवे स्टेशन पर आत्महत्या करने आई महिला को बचाने के प्रयास में आरपीएफ के जवान ज्ञानचंद्र ने अपने प्राणों की आहुति दे दी थी। राष्ट्रपति महोदय द्वारा स्वर्गीय ज्ञानचन्द भूतपूर्व हेड कॉन्सटेबल रेलवे सुरक्षा बल आउट पोस्ट भरवारी, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज को मरणोपरान्त सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक से सम्मानित किया गया है। इस सम्मान के लिए संपूर्ण राष्ट्र से मात्र ६ सुरक्षा कर्मियों का चयन हुआ है। ज्ञात हो कि, दिनांक ०२ मार्च २०२१ को, भरवारी स्टेशन पर रोजनामचा लेखन ड्युटी पर तैनात ज्ञानचंद्र रात दस बजे से आउट पोस्ट भरवारी में तैनात थे। उन्होंने देखा कि, रात ११.४१ बजे एक महिला तेज गति से आ रही प्रयागराज-जयपुर एक्सप्रेस ट्रेन के ट्रैक पर आत्महत्या के इरादे से आकर खड़ी हो थी। ज्ञानचंद ने उसे आवाज लगाई पर महिला की ओर से कोई भी प्रतिक्रिया न होने की वो उसे बचाने के लिए दौड़े। उन्होंने उक्त महिला को तो रेलवे ट्रैक से बाहर धकेल दिया किन्तु महिला के बचाने के प्रयास में स्वयं तेजगति से आ रही ट्रेन के चपेट में आ गये जिससे हेड कॉन्सटेबल ज्ञानचन्द गंभीर रूप से चोटिल होने के कारण वीरगति को प्राप्त हो गये। उनके इस अविस्मरणीय बलिदान को तत्कालीन रेलमंत्री पीयूष गोयल ने भी सराहा था। स्वर्गीय ज्ञानचन्द का जन्म सामान्य किसान परिवार में दिनांक ०६.१०.१९७७ को ग्राम परसिया मिश्रा, पुलिस थाना खुखुन्दू जनपद देवरिया (उ.प्र.) में हुआ था जो दिनांक २५.०५.२००६ को रेलवे सुरक्षा बल में कॉन्सटेबल के पद पर भर्ती हुए थे। इनके द्वारा पूर्ण कर्तव्यनिष्ठा एवं ईमानदारी से ड्युटी का निवर्हन किया गया और उनके इस साहसी कार्य से रेलवे सुरक्षा बल के गौरवमयी इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया। उनका पुत्र स्नातक कर रहा है, अतः परिवार ने १ वर्ष का समय मांगा है पढ़ाई पूर्ण होते ही अनुकंपा नियुक्ति की कार्यवाही की जाएगी।

संरक्षा सेमीनार का आयोजन

रे.स.ब्यूरो./प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे के सबसे व्यस्ततम एवं अति महत्वपूर्ण मण्डलों में से एक प्रयागराज मण्डल एक महत्वपूर्ण अंग के रूप में अपना विशिष्ट योगदान देती आ रही है।

रेल यात्रियों को संरक्षित व समयबद्ध रेल यात्रा प्रदान करने के लिये प्रयागराज मण्डल के अधिकारी एवं कर्मचारी निरंतर प्रयत्नशील हैं।

सुचारू रूप से एवं दुर्घटना रहित रेल परिचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रयागराज मण्डल के संरक्षा विभाग द्वारा विभिन्न संरक्षा सेमिनारों का आयोजन किया जाता है। दिनांक १५.०२.२०२२.को प्रयागराज में ट्रिप-शेड के लोको पायलट -Class Room में २५ कर्मचारियों को संरक्षा सलाहकार चंद्रिका प्रसाद द्वारा निम्न विषयों पर संरक्षा-बैठक का आयोजन किया गया।

(१) ट्रेन/इंजन में आग लगने पर लोको पायलट/सहायक लोको पायलट द्वारा की जाने वाली कार्यवाही। (२)अग्निशामक यंत्रो का प्रकार एवं प्रयोग करने का तरीका।(३) आल राइट सिगनल का उद्देश्य एवं न मिलने पर कार्यवाही। (४)संरक्षा-सुरक्षा एवं समय-पालन का पालन करना।

(५)सिगनल ओवर-शूटिंग का कारण एवं बचने का तरीका।संरक्षा बैठक मे मु.लो. निरीक्षक/प्रयागराज के राजेश्वर प्रसाद आर.के.दुबे भी उपस्थित थे।

रेलकर्मी की सजगता से महिला यात्री को मिला हैण्डबैग

रे.स.ब्यूरो./प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज मण्डल अपने सम्मानित रेल यात्रियों को बेतर रेल यात्रा प्रदान करने के लिए सदैव तत्पर रहा है। इसी क्रम में दिनांक १४.०२.२०२२ को गाड़ी स. १२००४ नई दिल्ली से लखनऊ ज. शताब्दी एक्सप्रेस के लखनऊ पहुँचाने पर गाड़ी में कार्यरत एल के त्रिवेदी एस एल मीना TS के पास आये तो उन्होंने कोच -१ के ३३ नंबर सीट पर एक हैण्डबैग देखा। हैण्डबैग को देखते ही त्रिवेदी समझ गए कि यह किसी का बैग छुट गया है। त्वरित कार्यवाही करत हुए त्रिवेदी ने चार्ट में देखा तो वह सीट अलीगढ़ से लखनऊ ज. के लिए एक महिला यात्री गुल सरीन के नाम पर बुक थी। एल के त्रिवेदी ने तत्काल आईआरसीटीसी से संपर्क स्थापित कर उक्त महिला यात्री के मोबाइल नंबर प्राप्त कर संपर्क स्थापित किया गया। सूचना मिलते ही उक्त महिला यात्री स्टेशन पर उपस्थित हुई और अपने बैग में रखे सामान का विवरण बताने के उपरांत महिला यात्री ने हैण्ड बैग में रखा एप्पल का आई पैड, ३०,०००/- एवं अन्य सामग्री को सकुशल प्राप्त कर अपनी प्रसन्नता जाहिर की।

रेलवे सुरक्षा बल ने टिकटों का अवैध कारोबारी को किया गिरफ्तार

रे.स.ब्यूरो./प्रयागराज। सी.आई.बी. (डीडेक्टिव विंग) प्रयागराज और रेल सुरक्षा बल सूबेदारगंज की संयुक्त टीम को दिनांक १३.०२.२२ को सूत्रों के हवाले से खबर मिली कि कौशाम्बी के मंझनपुर में स्थित दुकान में मनी ट्रान्सफर की आड़ में रेलवे के अवैध टिकटों के बिक्री का कारोबर चल रहा है। सूचना मिलने पर तुरंत सी.आई.बी. (डीडेक्टिव विंग) प्रयागराज और रेल सुरक्षा बल सुबेदारगंज ने उक्त दुकान पर दबिश देकर एक युवक को गिरफ्तार कियाद्य मौके पर एक लैपटॉप कुछ भविष्य यात्रा के टिकट बरामद हुइ तथा उक्त व्यक्ति के पास से ०७ डुप्लीकेट यूजर तथा कुछ नगदी भी बरामद हुई। आरोपी युवक के द्वारा विभिन्न पर्सनल यूजर आई०डी० का प्रयोग किया जाता था। आरोपी द्वारा Money Transfer से संबंधित कार्य के आड़ में स्वयं के, परिवार के सदस्यों के और ग्राहकों के मोबाइल नंबर से पर्सनल आई डी बनाकर, पर्सनल आईडी से e-ticket बना कर बेचा जाता था। उक्त आरोपी के विरुद्ध रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट सुबेदारगंज पर धारा १४३ रेलवे एक्ट के तहत प्रकरण पंजीकृत किया गया।

उक्त अभियान में IPF अविनाश शंकर सी.आई.बी. (डीडेक्टिव विंग)प्रयागराज, IPF योगेश कुमार पोस्ट सूबेदारगंज, सहयक उप निरीक्षक शिवनरेश यादव सी.आई.बी.(डीडेक्टिव विंग), की मुख्य भूमिका रही।

सभी जेड.आर.यू.सी.सी./डी.आर.यू.सी.सी.सदस्य

उक्त पत्रिका आपको नियमित रूप से भेजी जा रही है। कृपया अपने परिक्षेत्र में हुए रेल सुधारों /सुझावों के बारे में अपना लेख प्रकाशन हेतु हमें भेजने की कृपा करें।

प्रधान सम्पादक- ज्ञानेंद्र कुमार श्रीवास्तव
मो. 9793956044, 9935224867

प्रधान वित्त सलाहकार पुरस्कार २०२०-२१ आयोजित

रे.स.ब्यू./सूत्र। मंडल रेल प्रबंधक, झाँसी के सभाकक्ष में दिनांकः ११.०२.२२ को प्रधान वित्त सलाहकार पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। आयोजित कार्यक्रम के अंतर्गत प्रधान वित्त सलाहकार अजय माथुर द्वारा विडियो-कांफ्रेंसिंग के माध्यम झाँसी मंडल से वर्ष २०२०-२१ के अंतर्गत श्रेष्ठ कार्य करने वाले चयनित कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया।पुरस्कार वितरण उप वित्त सलाहकार एवं लेखा अधिकारी (निर्माण) वी के तिवारी, वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक अमृतांशु मौर्य, उप वित्त सलाहकार एवं लेखा अधिकारी (एम् एल आर) संतोष कुमार द्वारा प्रदान किया गया।

इस अवसर पर मंडल वित्त प्रबंधक राजेंद्र कुमार, सहायक मंडल वित्त प्रबंधक एन के तिवारी, सहायक वित्त सलाहकार (कारखाना) सुधीर कुमार, सहित अन्य कर्मचारी व अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्तम वित्तीय प्रशासन ही प्रबंधन का मूलः अजय माथुर

रे.स.ब्यूरो./प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय के लेखा विभाग में प्रधान वित्त सलाहकार पुरस्कार समारोह -२०२०-२१ का आयोजन किया गया। इस समारोह में सभी मण्डलों एवं लेखा कार्यो को विडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये जोड़ा गया। प्रधान वित्त सलाहकार अजय माथुर द्वारा ७२ कर्मियों को पुरस्कार का वितरण किया गया। इस अवसर पर लेखा विभाग के कर्मियों के योगदान को सराहते हुए माथुर ने बताया कि, उत्तम वित्तीय प्रशासन ही प्रबंधन का मूल होता है। उन्होंने आगे कहा कि, कोरोना महामारी काल में भी लेखा विभाग के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य किया गया है।

कार्यक्रम में उत्तर मध्य रेलवे के प्रधान वित्त सलाहकार अजय माथुर, वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी/सामान्य अमर कुमार सिन्हा, वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी /भण्डार एवं कारखाना हमीम अहमद, वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी /यातायात, त्रिपुरेश धर द्विवेदी, वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी /निर्माण चन्दन कुमार वर्मा तथा वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी /वित्त एवं बजट अभिनव गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन उपवित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी/सामान्य सुश्री गार्गी उमराव द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में सभी मण्डलों एवं मुख्यालय के अधिकारी सम्मिलित हुए।

GOVERNMENT TAKES STEPS FOR EFFECTIVE AND SPEEDY IMPLEMENTATION OF RAIL PROJECTS

PIB/ New Delhi: As on 01.04.2021, 484 Railway projects of 51,165 Km length, costing approx. ‘7.53 lakh crore are in different stages of planning/sanction/execution, out of which 10,638 Km length has been commissioned and an expenditure of approx. ‘2.14 lakh crore has been incurred upto March, 2021. These include:- (i) 187 New line projects of 21,037 Km length, costing ‘4,05,916 crore, out of which commissioning of 2,621 Km length has been achieved and expenditure of ‘1,05,591 crore has been incurred upto March, 2021.(ii) 46 Gauge Conversion projects of 6,213 Km length, costing ‘53,171 crore, out of which commissioning of 3,587 Km length has been achieved and expenditure of ‘22,184 crore has been incurred upto March, 2021.(iii) 251 Doubling projects of 23,915 Km length, costing ‘2,93,471 crore, out of which commissioning of 4,430 Km length has been achieved and expenditure of ‘86,041 crore has been incurred upto March, 2021.The completion of any Railway project(s) depends on various factors like quick land acquisition by State Government, forest clearance by officials of forest department, deposition of cost share by State Government in cost sharing projects, priority of projects, shifting of infringing utilities, statutory clearances from various authorities, geological and topographical conditions of area, law and order situation in the area of project(s) site, number of working months in a year for particular project site due to climatic conditions etc. and all these factors affect the completion time and cost of the project(s), which is finally worked out at the completion stage. Since 2014, there has been substantial increase in Budget allocation and commensurate commissioning of projects. The Average Annual Budget allocation in the Indian Railways for New Line, Gauge Conversion and Doubling works during 2014-19 has increased to ‘26,026 crore per year from ‘11,527 crore per year during 2009-14, which is 126% more than average annual budget outlay of 2009-14. The Annual budget allocation for these Projects for Financial Year 2019-20 was ‘39,836 crore (246% more than average annual budget allocation during 2009-14) and ‘43,626 crore in Financial Year 2020-21 (278% more than the Average Annual Budget allocation during 2009-14). For Financial year 2021-22, highest-ever budget outlay of ‘52,398 crore has been provided for these works, which is 355% more than average annual budget outlay of 2009-14.During 2014-21, 17,720 km length (3,681 km New Line, 4,871 km Gauge Conversion and 9,168 km Doubling) has been commissioned at an average of 2,531 km/year which is 67% more than the average commissioning during 2009-14 (1520 km/year).This information was given by the Minister of Railways, Communications and Electronic & Information Technology, Shri Ashwini Vaishnaw in a written reply to a question in Rajya Sabha.

प्रमुख माल लदान ग्राहकों के साथ बैठक आयोजित

साभार : उत्तर मध्य रेलवे द्वारा माल भाड़ा लदान के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए POL, Cement, Foodgrain एवं Ballast का लदान करने वाली कंपनी के प्रतिनिधिओं के साथ प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक की अध्यक्षता में दिनांक ०४.०२.२०२२ को विडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से मुख्यालय द्वारा बैठक आयोजित की गई। इसमे शैलेंद्र कपिल (प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक), बिप्लव कुमार (प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबन्धक), पी० के० ओझा (मुख्य मालभाड़ा परिचालन प्रबन्धक), अविनाश कुमार मिश्रा (मुख्य यातायात योजना प्रबन्धक), अनु मणि त्रिपाठी (मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक/भाड़ा विपणन), हिमांशु शुक्ला (उप-मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक/दावा) एवं तीनों मण्डल के वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक उपस्थित थे। बैठक मे आईओसी/बाद/मथुरा, हिंदुस्तान पैट्रोलियम/रसूलपुर गोगामऊ, भारत पैट्रोलियम/पनकी/कानपुर, डायमंड सीमेंट/पारिछा, जयप्रकाश सीमेंट/चुनार, अल्ट्राटेक सीमेंट/बारा, फूडग्रेन एवं बेलास्ट लोडर्स के प्रतिनिधि सम्मालित हुये।

वर्तमान वित्तीय वर्ष २०२१-२२ में (जनवरी २०२२ तक) १५.४५ MT का लदान हुआ जिससे १५६६.५३ Cr रुपये की आय प्राप्त हुई जबकि पिछले वित्तीय वर्ष के इसी अवधि में १३.४० MT की लदान हुई थी जिससे १४२६.६१ Cr रुपये की आय प्राप्त हुई थी। इस प्रकार लदान एवं आय में पिछले वर्ष की तुलना में क्रमशः १५.३० एवं ११.६० की बढ़ोतरी दर्ज की गयी है। उत्तर मध्य रेलवे से POL, Cement, Foodgrain, Container, Fertilizer, DOC एवं Ballast की लदान होती है जिसमे Foodgrain एवं Fertilizer को छोड़कर सभी commodity के लदान में पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि दर्ज की गयी है। बैठक के दौरान वर्तमान वित्तीय वर्ष २०२१-२२ के बाकी के ०२ माह (फरवरी एवं मार्च २०२२) मे संभावित माल भाड़े लदान की चर्चा की गयी। बैठक मे मुख्य मालभाड़ा वाणिज्य प्रबन्धक ने ग्राहको से रेल से लोडिंग बढ़ाने का आग्रह किया।

किसान रेल की १०००वीं यात्रा को दिखाई गई हरी झंडी

पत्र.सू.का/ नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और केंद्रीय रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दिनांक ३.२.२०२२ को वेबलिंक के माध्यम से मध्य रेलवे के सावदा, महाराष्ट्र से दिल्ली के आदर्श नगर तक किसान रेल की १०००वीं यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सावदा से दिल्ली के आदर्श नगर जाने वाली ट्रेन में २३ डिब्बे थे, जिनमें ४५३ टन केला ले जाया गया। अब तक मध्य रेलवे से १०००वीं किसान रेल में ३.४५ लाख टन कृषि उपज का परिवहन किया जा चुका है। सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि हमारा देश कृषि प्रधान है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में किसानों की भलाई के लिए कई पहलों को लागू किया। उन्होंने यह भी कहा कि किसान रेल के माध्यम से बेहतर मूल्य प्राप्त करने के लिए खराब होने वाली वस्तुओं जैसे फलों व सब्जियों को दूर-दराज के बाजारों में उचित मूल्य पर पहुंचाना ऐसी ही एक योजना है। तोमर ने कहा कि उन्हें मध्य रेलवे के किसान रेल की १०००वीं यात्रा को हरी झंडी दिखाने के अवसर पर उपस्थित होकर बहुत खुशी हो रही है क्योंकि वह प्रधानमंत्री के हाथों पहली किसान रेल और १००वीं किसान रेल को हरी झंडी दिखाने के अवसर पर भी उपस्थित थे। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री हमेशा किसान को केंद्र में रखते हैं और उनकी भलाई के लिए विभिन्न कदम उठाते हैं। किसान रेल एक ऐसी पहल है, जो सस्ता और जल्दी से किसानों को अपनी कृषि उपज को दूरदराज के बाजारों तक पहुंचाने में मदद करती है। उन्होंने गर्व के साथ जीआई-टैग प्राप्त जलगांव के केले का जिक्र किया। उन्होंने जलगांव के किसानों को बधाई दी और सुधार के लिए यदि को सुझाव हो तो आगे आने की अपील की। रेल, कोयला और खान राज्य मंत्री रावसाहेब दादाराव पाटिल दानवे और सांसद रक्षा खडसे ने भी किसानों की बेहतरी के लिए रेलवे द्वारा की गई पहल की सराहना की। इस अवसर पर सावदा रेलवे स्टेशन पर विधायक चंद्रकांत पाटिल और शिरीश चौधरी मौजूद थे। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी वी. के. त्रिपाठी ने सभा में आए लोगों का स्वागत किया।

आरओबी एवं एफओबी के निर्माण हेतु किया गया भूमि पूजन

हाजीपुरः उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री, भारत सरकार अश्विनी कुमार चौबे द्वारा दिनांक १६.०२.२०२२ को दानापुर मंडल के बक्सर-बरुना स्टेशन के मध्य समपार संख्या-७०/बी (इटाढ़ी गुमटी) पर सड़क उपरिगामी पुल (आरओबी) एवं पैदल उपरिगामी पुल (एफओबी) के निर्माण का भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर बिहार विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह, पथ निर्माण मंत्री, बिहार सरकार नितिन नवीन एवं विधायक संजय कुमार तिवारी एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे। आरओबी का निर्माण लगभग ६३.१८ करोड़ रूपए की लागत से पूरा किया जाएगा जिसमें रेलवे की हिस्सेदारी ३१.५६ करोड़ तथा राज्य सरकार की हिस्सेदारी ३१.५६ करोड़ है।

इसका निर्माण कार्य पूरा हो जाने के बाद शहरवासियों को यहां लगने वाले जाम से मुक्ति मिलेगी साथ ही यह संरक्षित रेल परिचालन में मददगार होगा। प्रस्तावित आरओबी बिहार के बक्सर, रोहतास, भोजपुर एवं कैमूर जिले को जोड़ती है। इसके निर्माण से स्थानीय आर्थिक गतिविधियों में काफी तेजी आयेगी। यातायात के लागत और समय की कमी की वजह से औद्योगिक लागत में कमी आयेगी।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने उत्कृष्ट सेवा के लिए किया दिल्ली पुलिस को सम्मानित

पत्र.सू.का/नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने दिल्ली पुलिस के ७५वें स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह को संबोधित किया। दिनांक १६.०२.२०२२२ को केन्द्रीय गृह मंत्री ने दिल्ली पुलिस की परेड की सलामी ली और उत्कृष्ट सेवा और वीरता के लिए दिल्ली पुलिस के अधिकारियों और जवानों को पदकों से सम्मानित किया। अमित शाह ने रोहिणी में नवनिर्मित उपायुक्त कार्यालय परिसर का भी उद्घाटन भी किया। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री देव सिंह चौहान, केन्द्रीय गृह सचिव और दिल्ली पुसिल आयुक्त सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस अवसर पर अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि ७५ सालों तक देश की राजधानी को दिल्ली पुलिस ने जिस प्रकार से सुरक्षित रखा और इसके बदलते स्वरूप के अनुसार स्वंय को बदला उसकी झलक आज की परेड में देखने को मिली। उत्कृष्ट सेवा और वीरता के लिए पदक प्राप्त करने वाले दिल्ली पुलिस के अधिकारियों और जवानों को शुभकामनाएं देते हुए शाह ने कहा कि किसी भी बल में अच्छे काम का अनुमोदन पूरे बल को उत्साहित करने वाला होता है। उन्होंने दिल्ली पुलिस के ७६ कर्मियों को श्रद्धांजलि दी जिन्होंने पिछले दो वर्षों में कोरोनाकाल के दौरान जनसेवा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। सेवा और कर्तव्यपरायणता का जो जज़्बा आपने दिखाया है, वो ना सिर्फ़ दिल्ली बल्कि पूरे देश के पुलिस बलों के लिए मार्गदर्शक और प्रेरणास्त्रेत भी होगा। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि दिल्ली पुलिस का ७५वां स्थापना दिवस है और देश आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। आज़ादी के साथ ही दिल्ली पुलिस का नया कलेवर और स्वरूप देश की जनता के सामने आया है। आज़ादीपूर्व की पुलिस व्यवस्था आज़ादी के आंदोलन को कुचलने और अंग्रेज़ों की सत्ता बनाए रखने के लिए काम करती थी। लेकिन आज़ादी के बाद देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल के नेतृत्व में दिल्ली पुलिस की स्थापना हुई और उसके बाद शांति, सेवा और न्याय के सूत्रवाक्य के साथ दिल्ली पुलिस ने अपना काम शुरू किया। अमित शाह ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने आज़ादी के अमृत महोत्सव में देश की जनता के सामने कई लक्ष्य रखे हैं। आज़ादी का अमृत महोत्सव जोशो-ख़रोश के साथ मनाया जा रहा है। इसका पहला उद्देश्य है कि १८५७ से १५ अगस्त, १६४७ तक आज़ादी की जंग में अपनी जान गंवाने, अपना सर्वस्व बलिदान करने वाले बहादुरों के उज्ज्वल इतिहास से देश के युवा परिचित हों और उनसे प्रेरणा लेकर नए और मज़बूत भारत के निर्माण के लिए अपने आप को समर्पित करें। दूसरा उद्देश्य है कि आज़ादी का अमृत महोत्सव पूरे देश की जनता के लिए संकल्प का वर्ष बने। देश के १३० करोड़ लोग इस वर्ष में एक संकल्प लें जो हमारे देश को आगे बढ़ाने, मज़बूत करने, समृद्ध, शिक्षित और स्वस्थ बनाने वाला हो। १३० करोड़ लोगों का संकल्प कि जब देश आज़ादी की शताब्दी मनाएगा तब देश को हम दुनिया में सर्वोच्च स्थान पर बिठाएंगे, इसका हमें पूरा विश्वास है। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस को राजधानी की पुलिस होने के नाते देश के सभी संवैधानिक पदों पर आसीन गणमान्य लोगों की सुरक्षा करनी होती है, देश के बड़े कार्यक्रमों का आयोजन सुरक्षित तरीक़े से सुनिश्चित करना, चाहे आजादी का पर्व हो, चाहे गणतंत्र दिवस हो, स्वतंत्रता दिवस हो, संसद का सत्र हो, अनेक प्रकार के विदेशी मेहमान यहां आते हैं, इन सभी चीजों को बहुत अच्छे तरीके से निभाना होता है। इसके साथ-साथ देश की राजधानी होने के नाते आतंकवाद, नारकोटिक्स और डिप्लोमेटिक एरिया की सुरक्षा की भी चुनौतियां दिल्ली पुलिस के सामने हैं। अमित शाह ने कहा कि दिल्ली पुलिस के सुधार के लिए कई गतिविधियां चल रही हैं। दिल्ली पुलिस में परसेप्शन मैनेजमेंट विभाग भी बनाया गया है। इन सभी के प्रति हम सबके मन में सम्मान का भाव होना चाहिए।

ए.एम.चौधरी, संरक्षा आयुक्त (रेलवे) द्वारा नव दोहरीकृत दानिया-डुमरी बिहार रेलखंड का किया गया निरीक्षण

रे.स.ब्यू./सूत्र.हाजीपुर : ए.एम.चौधरी, संरक्षा आयुक्त (रेलवे), पूर्वी परिमंडल, कोलकाता द्वारा दिनांक २३.०२. २०२२ को धनबाद मंडल में जारंगडीह-दानिया दोहरीकरण परियोजना के अंतर्गत नवदोहरीकृत ११ किमी लंबे दानिया एवं डुमरी बिहार रेलवे स्टेशन के बीच निरीक्षण किया गया। इसके साथ ही इस रेलखंड पर तीव्र गति से विशेष ट्रेन द्वारा सफलतापूर्वक स्पीड ट्रायल भी किया गया। संरक्षा आयुक्त (रेलवे) के निरीक्षण के बाद उनकी अनुमति प्राप्त होने के पश्चात इस रेलखंड पर ट्रेनों का आवागमन प्रारंभ हो जायेगा।

विदित हो कि वर्ष २०१३-१४ में ३३२ करोड़ रुपये की लागत से २६ किमी लंबे जारंगडीह-दानिया दोहरीकरण परियोजना स्वीकृत की गयी थी। इस परियोजना के अंतगर्त अब तक ०७ किमी लंबे गोमिया-दानिया बिहार और ०६ किमी लंबे जारंगडीह-बोकारो थर्मल रेलखंड की कमीशनिंग की जा चुकी है। सीआरएस निरीक्षण के पश्चात २६ किमी लंबे जारंगडीह-दानिया दोहरीकरण परियोजना के बोकारो थर्मल-गोमिया (०५ किमी) रेलखंड का दोहरीकरण शेष रह गया है जिसे शीघ्र ही पूरा कर लिया जायेगा।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने पहले ही पिछले वर्षों की कुल लदान को किया पार

रे.स.ब्यू./सूत्र.बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे अपने सम पत रेलकर्मियों के सम्मिलित प्रयासों से कोरोनाकाल की चुनौतियों का डटकर सामना करते हुए अपने सर्वाधिक लदान करने वाले जोन में से एक होने के खिताब एवं परंपरा को बरकरार रखने की ओर अग्रसर है। कोरोना जैसी वैश्विक महामारी के दौर में भी अपनी ठोस इरादों की बदौलत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने वर्तमान वित्तीय वर्ष २०२१-२२ के ०१ अप्रैल २०२१ से २१ फरवरी २०२२ तक वर्तमान वित्तीय वर्ष की समाप्ति के ३८ दिन पहले ही १८६.५२ मिलीयन टन माल लदान कर पिछले सभी वित्तीय वर्षों में किये गए कुल लदान को पार कर लिया है। १६ ग्रोथ के साथ किसी भी वित्तीय वर्ष में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यह अब तक का सर्वाधिक लदान है। इस अवधि में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा लोड किए गए वस्तुओं में कोयला, क्लिंकर, लौह अयस्क, सीमेंट, स्टील, खाद्यान, रासायनिक खाद, खनिज तेल एवं स्टील कारखानो के लिए कच्चे माल आदि प्रमुख रूप से सम्मिलित है। कोरोनाकाल के दौरान दक्षिण पूर्ण मध्य रेलवे के द्वारा माल लदान के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए उम्मीद की जा रही है कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के द्वारा माल लदान में नए की तमान को जल्द ही हासिल कर ली जाएगी। महाप्रबंधक ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए समस्त रेलकर्मियों के प्रयासों की सराहना की है।

लेखकों से

राष्ट्रीय, सामयिक, फिल्म व्यंग्य आदि विषयों पर अप्रकाशित लेख प्रकाशन हेतु आमंत्रित है। अपने हस्तलिखित लेख कागज की एक ओर साफ अक्षरों से भेजें।

IRCTC and BOB Financial launch Co-Branded RuPay Cashless Contactless Credit Card

Source /IRCTC: IRCTC have come together with BOB Financial Solutions Limited (BFSL) & NPCI to launch the IRCTC BoB RuPay Cashless Contactless Credit Card.Card to offer maximum savings to frequent railway travellers and multiple benefits in shopping for categories ranging from groceries to fuel.Cardholders will be able to earn up to 40 reward points (per INR 100 spent) on 1AC, 2AC, 3AC, CC, or EC bookings made through the IRCTC website or mobile app.The Loyalty Number printed on the card can be linked with the IRCTC login ID to redeem reward points on IRCTC Website as well as Mobile App Mumbai/New Delhi 23.02.2022 : The Indian Railway Catering Tourism Corporation Ltd. (IRCTC) at present, is one of the leading travel, tourism and hospitality companies of the country with a wide range of products besides railway e-ticketing such as on and off-board catering services on trains and stations, flights and hotels booking, tour packages through air, rail and water, luxury, deluxe and budget tourist trains.IRCTC has rich experience in offering its customers with such co-branded cards and has a tie-up with another public sector bank to offer its loyalty program to its customers. The recent collaboration with BOB Financial Solutions Limited (BFSL) & NPCI in launching IRCTC BoB RuPay Cashless Contactless Credit Card is another landmark step towards promotion of the indigenous RuPay payment platform and realizing the vision of Digital India of Hon'ble Prime Minister of India.

The card is specially curated to offer maximum savings to frequent railway travellers. Users of this card will also get multiple benefits for shopping across other categories ranging from groceries to fuel.

Cardholders can also use this card to transact at international merchants and ATMs through the JCB network. Cardholders of IRCTC BoB RuPay Contactless Credit Card will be able to earn up to 40 reward points (per INR 100 spent) on 1AC, 2AC, 3AC, CC, or EC bookings made through the IRCTC website or mobile app. The card also offers a 1% transaction fee waiver for the customers on all their train ticket bookings. Customers making a single purchase worth INR 1,000 or more within 45 days of card issuance will get 1,000 bonus reward points.The co-branded credit card will offer 4 reward points (per INR 100 spent) on grocery and departmental stores and 2 reward points on other categories. Cardholders will be entitled to 4 complimentary visits per year at partner railway lounges.

The card will also offer 1% fuel surcharge waiver across all petrol pumps in India. The cardholders will be able to redeem the accrued reward points on the IRCTC website and mobile app, after linking their Loyalty Number (printed on the co-branded credit card) with their IRCTC login ID. IRCTC is happy to be instrumental in the fulfillment of this vision and we look forward to the resounding success of this card amongst our customers. The value proposition on this card presents a great potential as well as opportunity to be utilized among the vast customer base of IRCTC through its e-ticketing website www.irctc.co.in and Mobile App 'IRCTC Rail Connect'."

केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन के विद्युतीकरण की दिशा में बढ़ते कदम

साभारः भारतीय रेलवे दिसंबर २०२३ तक पूर्ण विद्युतीकरण के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी दिशा में केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन प्रयागराज की गुवाहाटी परियोजना द्वारा पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के लामडिंग मण्डल के गुवाहाटी-डिगारु-जागी रोड (५६.७८ **RKM**) रेल खण्ड का विद्युतीकरण कर दिनांक २८.०२.२०२२ को सफलता पूर्वक सीआरएस निरीक्षण का कार्य सम्पन्न हो गया है। इस रेल लिंक से यात्रा समय में कमी आएगी। विद्युतीकृत ऊर्जा पर्यावरण के अनुकूल होती है, इसके इस्तेमाल से कार्बन के उत्सर्जन में कमी आती है जो कि पर्यावरण के लिए लाभप्रद है। डीजल की खरीद में लगने वाली विदेशी मुद्रा की बचत भी होती है। कोर के महाप्रबन्धक यशपाल सिंह, ने गुवाहाटी परियोजनाओं की इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि कोर की सभी परियोजनायें भारतवर्ष के ब्रॉडगेज रेल-मार्गों को पूर्ण रूप से विद्युतीकृत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जिसकी परिणिती लगातार हो रहे सफल सीआरएस निरीक्षण है।

पाठकों से

आपको यह अंक कैसा लगा? इसमें आप और क्या परिवर्तन चाहते है। कृपया अपने सुझावों, आलोचनाओं से अवश्य ही अवगत करायें। आपके पत्रों का हमें इंतजार रहेगा।

प्रधान सम्पादक

रेलगाड़ियों के समय में संशोधन

गाड़ी सं.–12447 माणिकपुर जंक्शन–हजरत निजामुद्दीन सम्पर्क क्रान्ति एक्सप्रेस (प्रतिदिन)के समय में संशोधन किया गया है, जो दिनांक 25.02.2022 (प्रारम्भिक स्टेशन) से प्रभावी होगा।

स्टेशन	वर्तमान समय		संशोधित समय	
	आगमन	प्रस्थान	आगमन	प्रस्थान
मानिकपुर जंक्शन	----	17:05	----	18:25
चित्रकूट धाम	17:32	17:34	18:52	18:54
अतर्रा	18:03	18:05	19:20	19:22
बांदा जक्शन	18:35	18:40	19:50	19:55
महोबा	19:20	19:22	20:43	20:45
कुलपहाड़	19:40	19:42	21:03	21:05
हरपालपुर	20:10	20:12	21:32	21:34
मऊरानीपुर	20:34	20:36	22:13	22:15
वीरांगना लक्ष्मीबाई	22:05	22:15	23:25	23:30
आगरा कैण्ट	00:55	01:00	02:05	02:10
मथुरा जंक्शन	01:35	01:37	02:43	02:45
हजरत निजामुद्दीन	03:50	----	05:22	----

नोटः– इसके अतिरिक्त उपरोक्त गाड़ी के समय में संशोधन के परिणाम स्वरूप निम्नलिखित रेलगाड़ियों के निम्नवत् स्टेशनों पर समय में संशोधन

1 गाड़ी सं.–12535 लखनऊ जंक्शन–रायपुर जंक्शन गरीबरथ दिनांक 28.02.2022 (प्रारम्भिक स्टेशन) से प्रभावी

स्टेशन	वर्तमान समय		संशोधित समय	
	आगमन	प्रस्थान	आगमन	प्रस्थान
बांदा जंक्शन	18:18	18:23	18:18	18:23
चित्रकूट धाम	19:13	19:15	19:28	19:30

2 गाड़ी सं.–12615 चेन्नई सेन्ट्रल–नई दिल्ली जी.टी. एक्सप्रेस दिनांक 24.02.2022 (प्रारम्भिक स्टेशन) से प्रभावी

स्टेशन	वर्तमान समय		संशोधित समय	
	आगमन	प्रस्थान	आगमन	प्रस्थान
वीरांगना लक्ष्मीबाई	22:55	23:05	22:55	23:00
ग्वालियर	00:15	00:17	00:03	00:05
मुरैना	00:48	00:50	00:38	00:40
धौलपुर	01:33	01:35	01:55	01:57
आगरा कैण्ट	02:25	02:30	02:30	02:35
राजा की मण्डी	02:40	02:42	02:43	02:45

3 गाड़ी सं.–12779 वास्को डी गामा–हजरत निजामुद्दीन गोवा एक्सप्रेस दिनांक 24.02.2022 (प्रारम्भिक स्टेशन) से प्रभावी

स्टेशन	वर्तमान समय		संशोधित समय	
	आगमन	प्रस्थान	आगमन	प्रस्थान
वीरांगना लक्ष्मीबाई	23:15	23:23	23:15	23:20
ग्वालियर	00:50	00:52	00:50	00:52
आगरा कैण्ट	02:50	02:55	03:10	03:15
मथुरा जक्शन	03:53	03:55	04:00	04:05

4 गाड़ी सं.–12409 रायगढ़–हजरत निजामुद्दीन गोंडवाना एक्सप्रेस दिनांक 25.02.2022 (प्रारम्भिक स्टेशन) से प्रभावी

स्टेशन	वर्तमान समय		संशोधित समय	
	आगमन	प्रस्थान	आगमन	प्रस्थान
वीरांगना लक्ष्मीबाई	23:25	23:33	23:30	23:38
ग्वालियर	00:33	00:35	00:36	00:38

5 गाड़ी सं.–12405 भूसावल जंक्शन–हजरत निजामुद्दीन गोंडवाना एक्सप्रेस दिनांक 27.02.2022 (प्रारम्भिक स्टेशन) से प्रभावी

स्टेशन	वर्तमान समय		संशोधित समय	
	आगमन	प्रस्थान	आगमन	प्रस्थान
वीरांगना लक्ष्मीबाई	23:25	23:33	23:30	23:38
ग्वालियर	00:36	00:38	00:36	00:38

6 गाड़ी सं.–01810 बांदा जंक्शन–वीरांगना लक्ष्मीबाई अनारक्षित स्पेशल दिनांक 25.02.2022 (प्रारम्भिक स्टेशन) से प्रभावी

स्टेशन	वर्तमान समय		संशोधित समय	
	आगमन	प्रस्थान	आगमन	प्रस्थान
निवारी	20:59	21:00	20:49	20:50
बरवा सागर	21:30	21:31	20:59	21:00
ओरछा डैम	21:44	21:45	21:19	21:20
वीरांगना लक्ष्मीबाई	22:40 / टी		22:15 / टी	

7 गाड़ी सं.–12183 भोपाल जंक्शन–प्रतागढ़ जंक्शन एक्सप्रेस दिनांक 25.02.2022 (प्रारम्भिक स्टेशन) से प्रभावी

स्टेशन	वर्तमान समय		संशोधित समय	
	आगमन	प्रस्थान	आगमन	प्रस्थान
वीरांगना लक्ष्मीबाई	23:05	23:15	23:05	23:10

8 गाड़ी सं.–19313 इन्दौर जंक्शन–पटना जंक्शन एक्सप्रेस दिनांक 28.02.2022 (प्रारम्भिक स्टेशन) से प्रभावी

स्टेशन	वर्तमान समय		संशोधित समय	
	आगमन	प्रस्थान	आगमन	प्रस्थान
वीरांगना लक्ष्मीबाई	23:05	23:15	23:05	23:10

9 गाड़ी सं.–19321 इन्दौर जंक्शन–पटना जंक्शन एक्सप्रेस दिनांक 26.02.2022 (प्रारम्भिक स्टेशन) से प्रभावी

स्टेशन	वर्तमान समय		संशोधित समय	
	आगमन	प्रस्थान	आगमन	प्रस्थान
वीरांगना लक्ष्मीबाई	23:05	23:15	23:05	23:10

10 गाड़ी सं.–19305 डॉ अम्बेडकर नगर–कामाख्या एक्सप्रेस दिनांक 03.03.2022 (प्रारम्भिक स्टेशन) से प्रभावी

स्टेशन	वर्तमान समय		संशोधित समय	
	आगमन	प्रस्थान	आगमन	प्रस्थान
वीरांगना लक्ष्मीबाई	23:05	23:15	23:05	23:10

11 गाड़ी सं.–12917 अहमदाबाद जंक्शन–हजरत निजामुद्दीन गुजरात सम्पर्क क्रान्ति एक्सप्रेस दिनांक 28.02.2022 (प्रारम्भिक स्टेशन) से प्रभावी

स्टेशन	वर्तमान समय		संशोधित समय	
	आगमन	प्रस्थान	आगमन	प्रस्थान
हजरत निजामुद्दीन	-----	05:45	-----	05:50

12 गाड़ी सं.–20945 केवड़िया–हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस दिनांक 25.02.2022 (प्रारम्भिक स्टेशन) से प्रभावी

स्टेशन	वर्तमान समय		संशोधित समय	
	आगमन	प्रस्थान	आगमन	प्रस्थान
हजरत निजामुद्दीन	-----	05:45	-----	05:50

13 गाड़ी सं.–12217 कोच्चुवेली–चण्डीगढ़ सुपरफास्ट एक्सप्रेस दिनांक 26.02.2022 (प्रारम्भिक स्टेशन) से प्रभावी

स्टेशन	वर्तमान समय		संशोधित समय	
	आगमन	प्रस्थान	आगमन	प्रस्थान
हजरत निजामुद्दीन	05:35	05:37	05:40	05:42
नई दिल्ली	06:10	06:25	06:10	06:25

14 गाड़ी सं.–12483 कोच्चुवेली–अमृतसर जंक्शन सुपरफास्ट एक्सप्रेस दिनांक 23.02.2022 (प्रारम्भिक स्टेशन) से प्रभावी

स्टेशन	वर्तमान समय		संशोधित समय	
	आगमन	प्रस्थान	आगमन	प्रस्थान
हजरत निजामुद्दीन	05:35	05:37	05:40	05:42
नई दिल्ली	06:10	06:25	06:10	06:25

15 गाड़ी सं.–22659 कोच्चुवेली–योगनगरी ऋषिकेश सुपरफास्ट एक्सप्रेस दिनांक 25.02.2022 (प्रारम्भिक स्टेशन) से प्रभावी

स्टेशन	वर्तमान समय		संशोधित समय	
	आगमन	प्रस्थान	आगमन	प्रस्थान
हजरत निजामुद्दीन	05:45	06:00	05:50	06:00

16 गाड़ी सं.–12415 इन्दौर जंक्शन–नई दिल्ली सुपरफास्ट एक्सप्रेस दिनांक 24.02.2022 (प्रारम्भिक स्टेशन) से प्रभावी

स्टेशन	वर्तमान समय		संशोधित समय	
	आगमन	प्रस्थान	आगमन	प्रस्थान
फरीदाबाद	05:30	05:32	05:30	05:32
हजरत निजामुद्दीन	05:50	05:52	05:53	05:55
नई दिल्ली	-------	06:20	-------	06:25

उत्तर मध्य रेलवे North Central Railways @CPRONCR 215/2022 V

महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे ने किया मानिकपुर-वीरांगना लक्ष्मी बाई रेल खंड का निरीक्षण

रे.स.ब्यूरो./प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक प्रमोद कुमार द्वारा अपने दो दिवसीय दौरे कार्यक्रम के अंतर्गत पहले दिन मानिकपुर-वीरांगना लक्ष्मीबाई रेल खंड का संरक्षा केन्द्रित निरीक्षण किया गया। दिनांक १२.०२.२२ को महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे प्रमोद कुमार ने झांसी मंडल के मानिकपुर-वीरांगना लक्ष्मी बाई रेल खंड के निरीक्षण के क्रम में संरक्षा कार्यों का व्यक्तिगत रूप से आंकलन किया और अनुरक्षण से जुड़े जमीनी स्तर के कर्मियों से वार्ता कर उनका मनोबल बढ़ाया। उन्होंने ओहन स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाएं तथा संरक्षा उपकरणों की सघन जांच की। प्रमोद कुमार का यह दो दिवसीय दौरा प्रमुखता से संरक्षा नियमों की पालनता तथा कर्मचारियों के ज्ञान की परख तथा संरक्षा उपकरणों की शत-प्रतिशत उपलब्धता सुनिश्चित करने सहित अन्य संरक्षा पहलुओं की परख पर केन्द्रित है।ओहन स्टेशन पर उन्होंने एसएम पैनल की जांच तथा उपलब्ध स्टाफ की पैनल ऑपरेशन संबंधित जानकारी को परखा।कुमार ने मानिकपुर-वीरांगना लक्ष्मी बाई रेलखंड पर चल रहे विभिन्न विकासशील कार्यों की समीक्षा की तथा उनको तय समय सीमा में संरक्षापूर्ण ढंग से पूर्ण करने हेतु निर्देश दिए। ओहन से प्रस्थान कर सेक्शन में उपलब्ध ट्रैक से जुड़े संरक्षा उपकरणों सहित अन्य संस्थापनों की स्वयं सघनता से जांच की। कुमार ने उपलब्ध सुविधाओं में कैटरिंग स्टाल का भी निरीक्षण किया।कैटरिंग स्टॉल पर रेट लिस्ट सभी उपलब्ध सामग्री की गुणवत्ता तथा माप आदि सहित स्टाल सम्बंधित दस्तावेजों, बिल बुक तथा पुलिस वेरिफिकेशन आदि की गहन जांच की। उन्होंने स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, पैनल, सर्कुलेटिंग क्षेत्र की व्यवस्थाओं सहित अन्य यात्री सुविधायें जैसे बोतल क्राशिंग मशीन, ATVM मशीन आदि का जायजा लिया तथा यात्री सुविधाओं में बढ़ोतरी हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। चित्रकूट से प्रस्थान कर उन्होंने चित्रकूट-शिवरामपुर के मध्य समपार फाटक संख्या ४६४ का निरीक्षण किया तथा यात्री सुरक्षा सम्बंधित पहलुओं की जांच की। बांदा स्टेशन पर पहुंचकर महाप्रबंधक ने यात्री सुविधाओं के साथ संरक्षा उपकरणों को देखा। स्टेशन पर उपलब्ध क्रू लॉबी तथा रनिंग रूम के निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टाफ हेतु उपलब्ध सुविधाओं को देखा तथा उनकी बढ़ोतरी हेतु आवश्यक निर्देश दिए। माल गोदाम परिक्षेत्र, पार्किंग स्टैंड के रिकॉर्ड, लाइसेंस फीस, दरों का प्रदर्शन आदि को देखा। बाँदा से प्रस्थान कर उन्होंने बाँदा-खैरार खंड में समपार फाटक संख्या ४५२ पर चल रहे कार्य को देखा तथा उसको तय सीमा निर्धारित कर कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिये। कुमार ने समपार फाटक सं ४४७ का भी निरीक्षण किया और संरक्षा सुनिश्चित हेतु निर्देशित किया। इसके पश्चात् महोबा स्टेशन के निरीक्षण के दौरान स्टेशन पर उपलब्ध सुविधाओं सहित माल गोदाम, रिटायरिंग रूम, स्टेशन प्रबंधक कार्यालय तथा सर्कुलेटिंग क्षेत्र का सघन निरीक्षण किया।महाप्रबंधक स्टेशनों के निरीक्षण के साथ-साथ रेल खंड का पिछली खिड़की से निरीक्षण किया गया। जिसमें रेल पथ एवं उसके पास के सभी इंस्ट्लेशनो जैसे सिगनल, ओएचई, प्लेटफॉर्म इत्यादि का चलती हुई गाड़ी मे लगे निरीक्षण यान की पिछली खिड़की से देखा जाता है। निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबन्धक आशुतोष के साथ झाँसी मंडल से उप मुख्य अभियंता (निर्माण) आशुतोष चौरसिया, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (द्वितीय) अखिल शुक्ल, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक शशिकांत त्रिपाठी, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी अशोक प्रिय गौतम, वरिष्ठ मंडल अभियंता (पूर्व) एस सी दुबे, वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजिनीयर अमित गोयल वरिष्ठ मंडल अभियंता (TRD) मयंक शांडिल्य सहित अन्य अधिकारीगण और पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

New feature in ATVMs : Passengers can purchase tickets through QR code based payments using any UPI based digital payment platform

Source/CPRO SR: In an effort to encourage cashless transactions and digital payments, Southern Railway has introduced QR (Quick Response) code based payment of ticket fare in Automatic Ticket Vending Machines (ATVMs). Journey and Platform tickets can be purchased using QR code facility. In addition, renewal of season tickets can also be done. Further, smart card can also be recharged using QR codes generated in ATVMs. This facility, in addition to the existing smart card based payment, will facilitate quick transactions and hassle-free cashless payments through ATVMs.

Once the journey details are entered in the ATVM, for the purpose of payment three options will be displayed as under: · Railway Smart Card · BHIM UPI QR Code (Pay by Paytm) · BHIM UPI QR Code (Pay by Freecharge) On choosing any one of the two QR code based payment option as mentioned above, the QR code will be generated and displayed on the ATVM screen. The displayed QR code needs to be scanned through any UPI enabled app such as Gpay, Paytm and Phonepe, etc. and proceeded with for making the payment towards the cost of ticket. A physical ticket will pop out of the ATVM machine once the payment is completed.

Smart cards can also be recharged similarly by placing the card on the slot and accessing the QR code for payment.By introduction of this new feature of QR code based payment in ATVMs, the usage of ATVM has been made more simpler and it is not compulsory for a passenger to pre-own a ATVM smart card. Now even without a ATVM smart card, tickets can be purchased by opting QR based payment. Any queries or complaints related to digital payment in ATVMS can be redressed through RailMadad or 139 by IRCTC.

Southern Railway appeals to the passengers to extensively use the QR code based payment facility in ATVMs installed at stations for purchase of Journey and Platform tickets, for renewal of season tickets and recharge of smart cards. It may be noted that a discount of 0.5% can be availed on renewal of suburban season tickets using UPI QR Code.

हमारे ग्राहक

"हमारे पास आने वाला हर ग्राहक एक महत्वपूर्ण अभ्यागत है। वह हम पर निर्भर नहीं है, बल्कि हम उस पर निर्भर हैं। वह हमारे काम में बाधक नहीं, साधक है। वह हमारी कार्य- सीमा से विलग नहीं है, बल्कि उसका ही अंग है। हम उसकी सेवा करके उस पर उपकार नहीं करते वरन् वह हमें सेवा का अवसर प्रदान कर हमें अनुग्रहीत करता है। ग्राहक से तर्क करना उचित नहीं है। उससे तर्क करके अभीतक किसी को सफलता नहीं मिली।" महात्मा गांधी

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सद्स्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।

सहयोग राशि:

१.उच्चतम अधिकारी- १५०० रु. मात्र
२.उच्च अधिकारी- १००० रु. मात्र
३.अधीनस्थ अधिकारी-७०० रु. मात्र
४.रेलकर्मी/अन्य सदस्य-५००रु.मात्र

प्रबंध संपादक
रेल समाचार ब्यूरो कैंप कार्यालय-८४३६ आर्य नगर पहाड़गंज दिल्ली-५५

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
दि. इलाहाबाद ब्लाक वर्क्स प्रा. लि. 329/255, चक, जीरो रोड, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर,कीडगंज इलाहाबाद-211003 से प्रकाशित। आर.एन. आई नं.51097-90 पोस्ट ए.डी-8
मो. 9793956044,9935224867
फोन नं.-0532-2418040